

पंचकुला। एटी नारकोटिक्स सेल ने 305 ग्राम हेरोइन के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बरामद हेरोइन की कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये आंकी गई है। सच इन्स्पेक्टर नर्मल सिंह को सूचना मिली थी कि अजय पंचकुला और जीरकापुर क्षेत्र में हेरोइन सप्लाई करत एक वेश सेक्टर-20 स्थित श्मशान घाट के पास नशीला पदार्थ देने आने वाला है। पुलिस ने रेडिंग पार्टी गठित कर मौके पर सिधिल ड्रेस में गिरगारी शुरू कर दी। पुलिस टीम ने मुखबिरी की निशानेबंदी पर एक संदिग्ध व्यक्ति को काबू किया। पूछताछ में उसने अपनी पद्यान अजय (36) निवासी अबोहर, पंजाब तथा वर्तमान में पोरमुछल्ला, दकोली के रूप में बताया। आरोपी की जींस की पिछली जेब से हेरोइन बरामद हुई।

खबर संक्षेप

रेलवे की ‘व्यस्त सीजन’ शुल्क में एक माह की छूट



नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने कंटेनर ट्रेन संचालकों को कार्गो लोड करने के मकसद से बंदरगाहों तक ट्रेन के खाली डिब्बे ले जाने पर लगने वाले ‘व्यस्त सीजन’ शुल्क में एक महीने के लिए छूट देने का निर्णय लिया है। बंदरगाहों तक खाली वैगन ले जाने पर इस शुल्क से अस्थायी छूट देने का निर्णय लिया है।

नोएडा हवाई अड्डे पर शुरु हुई मालवाहक सेवाएं



ग्रेटर नोएडा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहला मालवाहक विमान बुधवार को चेन्नई से यहां पहुंचा। हवाई अड्डे पर आज सुबह विमान पर वाटर केनन से पानी बरसा कर उसका स्वागत किया गया। मालवाहक संचालन के लिए एफकार्म कंपनी के साथ समझौता किया गया है। मालवाहक सेवाओं के लिए कंपनी बोइंग 737-800 के विमानों का इस्तेमाल करती है।

रुपया 10 पैसे की बढ़त के साथ 94.50 प्रति डॉलर पर



मुंबई। रुपया बुधवार को 10 पैसे की बढ़त के साथ 94.50 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी डॉलर में गिरावट से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अमेरिका-ईरान शांति समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य के फिर से खुलने की संभावना के बीच ब्रेंट कच्चा तेल 79 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राशिफल

- 

मेघ
- 

वृष
- 

मिथुन
- 

कर्क
- 

सिंह
- 

कन्या
- 

तुला
- 

वृश्चिक
- 

मेघ
- 

धनु
- 

मकर
- 

कुंभ
- 

मीन
- संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।
- खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।
- शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियाँ बन सकती हैं।
- क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।
- कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।
- कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।
- लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहे। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।
- संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेगा।
- स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।
- आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।
- क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।
- किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

14 की उम्र में सीखी कोडिंग, 25 की उम्र में अमन बने 50,000 करोड़ के मालिक

एजेसी ►► नई दिल्ली

एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने एआई-आधारित कोडिंग प्लेटफॉर्म ‘कर्सर’ की पैरेंट कंपनी

■ **मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने कर्सर की पैरेंट कंपनी को अधिग्रहण करने की घोषणा की**

एनीस्फीयर इंक का 60 अरब डॉलर में अधिग्रहण करने की घोषणा की है। इस अधिग्रहण से कर्सर के भारतीय मूल के सह-संस्थापक अमन सैंगर चर्चा में आ गए हैं। इसकी वजह है कि इस डील से सैंगर की अनुमानित नेटवर्थ 5.5 अरब डॉलर (करीब 50,000 करोड़ रुपए) तक पहुंच गई है। सैंगर ने अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर कर्सर की स्थापना साल 2022 में कॉलेज की पढ़ाई बीच में छोड़कर की थी।

सैंगर ने अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर कर्सर की स्थापना की थी

क्यों कर्सर है इतना लोकप्रिय?

कर्सर एक एआई-पावर्ड कोडिंग प्लेटफॉर्म है जो डेवलपर्स को कोड लिखने, एडिट करने और जटिल सॉफ्टवेयर समस्याओं को समझने में मदद करता है। यह पूरे कोडबेस को समझकर डेवलपर्स का एक एआई साथी बनकर काम करता है। नवंबर 2025 तक कर्सर की वार्षिक आय 1 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गई थी। महज सात महीनों में इसकी वार्षिक आय रिकॉर्ड उछाल लगाते जून 2026 में 4 अरब डॉलर तक पहुंच गई। एकवीडिया, एडोब, उबर, शॉपिफाई और पेपेल जैसी दुनिया भर की लगभग 50,000 दिग्गज टेक कंपनियों के लाखों सॉफ्टवेयर डेवलपर्स कोड तैयार करने के लिए कर्सर का यूज करते हैं।



अमन ने गूगल में की थी इंटरनशिप

न्यूयॉर्क में जन्मे अमन सैंगर के पिता अरविंद सैंगर आईआईटी बॉम्बे के पूर्व छात्र रहे हैं और अमेरिका की हेज फंड इंडस्ट्री का एक बहुत बड़ा नाम हैं। उनकी मां शिल्पा सैंगर एक ऑर्थोडॉन्टिस्ट और सफल एंटरप्रेन्योर हैं। अमन ने महज 14 साल की उम्र में ही कोडिंग सीखनी शुरू कर दी थी। कर्सर शुरू करने से पहले अमन ने गूगल और बिजजाटर एसोसिएट्स जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियों में इंटरनशिप भी की थी।

जटिल कोडिंग समस्याओं का चुटकियों में समाधान :

शुरुआत में मैकेनिकल इंजीनियरिंग उद्योग के लिए एआई-आधारित असिस्टेंट विकसित करने पर काम किया। लेकिन जल्द ही चारों को समझ आ गया कि असली जरूरत सॉफ्टवेयर की दुनिया में है।

जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर यह जानकारी दी गई

भारत-यूरोपीय संघ एफटीए पर साल के अंत तक हस्ताक्षर होंगे: वॉन डेर लेयेन

एजेसी ►► एवियॉन (फ्रांस)

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने बुधवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) इस वर्ष के अंत तक महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। उन्होंने यह जानकारी जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वार्ता के बाद दी।

इस बैठक में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष वॉन डेर लेयन के अलावा यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंजेला मर्केल भी शामिल हुए। वॉन डेर लेयन ने सोशल मीडिया पर कहा, *“जब से हमने इस ऐतिहासिक व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है, तब से हम अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हम इस वर्ष के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर देंगे और निवेश समझौते पर काम में भी तेजी लाएंगे।”*

प्रतिबद्धताओं को पूरा करने तेजी से आगे बढ़ रहे

वैश्विक परिदृश्य में शांति आएगी

मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा, *“इस वर्ष की शुरुआत में भारत को गणतंत्र दिवस समारोह में उनकी मेजबानी करने का सौभाग्य मिला था। भारत-यूरोपीय संघ संबंधों के लिए यह महत्वपूर्ण समय है क्योंकि हमने मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है। मोदी ने कहा, “हमारी बढ़ती साझेदारी आज के वैश्विक परिदृश्य में शांति, स्थिरता और समृद्धि को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।”*

वर्ष के अंत तक समझौते पर हस्ताक्षर कर देंगे

सुरक्षा और रक्षा सहयोग को भी मजबूत किया जाएगा

जनवरी में दिल्ली में वार्ता पूरी होने की संघ ने घोषणा की थी

लेयन ने कहा, *“हम सुरक्षा और रक्षा सहयोग को भी मजबूत करेंगे तथा भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएएमसीसी) परियोजना को आगे बढ़ाकर बेहतर संपर्क व्यवस्था के लिए मिलकर काम करेंगे।”*

भारत और यूरोपीय संघ ने जनवरी में नयी दिल्ली में आयोजित शिखर बैठक में इस व्यापक व्यापार समझौते पर वार्ता पूरी होने की घोषणा की थी।

सोने में 4,800 रुपये की गिरावट और चांदी हुई 5,300 रुपये सस्ती

एजेसी ►► नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें 4,800 रुपये गिरकर 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं, जबकि चांदी की कीमत में 5,300 रुपये की गिरावट दर्ज हुई। मजबूत रुपये और कमजोर वैश्विक रुख के बीच कारोबारियों ने कीमती धातुओं से दूरी बनाए रखी।

अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 4,800 रुपये टूटकर 1,54,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई। पिछले सत्र में यह 1,59,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। चांदी में भी भारी गिरावट आई और यह 5,300 रुपये टूटकर 2,55,400 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई। मंगलवार को चांदी 2,60,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि घरेलू मांग लगातार दूसरे दिन कमजोर रही क्योंकि मजबूत शेयर बाजार के बीच निवेशक बेहतर लाभ की तलाश में थे। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि बुधवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई क्योंकि निवेशकों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व



■ सोना घटकर 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम

■ चांदी टूटकर 2,55,400 रुपये प्रति किलो ग्राम

सोने में स्थिरता देखी जा रही

अंतरराष्ट्रीय बाजार में, हाजिर सोना मामूली गिरावट के साथ 4,327.54 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी 0.18 प्रतिशत गिरकर 69.89 डॉलर प्रति औंस पर आ गई।

मिराए एसेट शेयरखान में जिंस प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा, *“अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी के मीडिक नीति फैसले से पहले हाजिर सोना में स्थिरता देखी जा रही है।”*

के मौद्रिक नीति फैसले सहित कई महत्वपूर्ण अमेरिकी आर्थिक कार्यक्रमों से पहले सतर्क रुख अपनाया।

बीएमडब्ल्यू ने मिनी कंट्रीमैन सी पेश की

चेन्नई (एजेंसी)। लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने पेट्रोल इंजन से लैस मिनी कंट्रीमैन सी के स्थानीय रूप से ‘अरेबल’ किए गए मॉडल को बुधवार को पेश कर अपने प्रीमियम खंड का विस्तार किया। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीओओ) हरदीप सिंह बरार ने बताया कि इसकी शुरुआती (एक्स-शोरूम) कीमत 47.50 लाख रुपये रखी गई है। इसे पेश करने के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के साथ बातचीत में चेन्नई स्थित बीएमडब्ल्यू सर्वेंट प्रबंध निदेशक थॉमस डोज ने कहा कि इस नए संस्करण की शुरुआत बांड के लिए एक महत्वपूर्ण परिचालन उपलब्धि है। इसे प्रीमियम कॉन्सोलेवर श्रेणी ‘कम्प्लीटली लॉन्ड डाउन’ (सीकेडी) किट के माध्यम से यहां स्थानीय स्तर पर विनिर्मित किया जाएगा। सीकेडी वाहन वे होते हैं जिन्हें अलग-अलग हिस्सों एवं कलपजुओं के रूप में आयात किया जाता है।

रियासत लाइफस्टाइल का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई। पारंपरिक परिधान कंपनी रियासत लाइफस्टाइल का 30.77 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) 18 जून को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए 102-108 प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। बयान के अनुसार, कंपनी का आईपीओ बीएसई एक्सएमई प्लेटफॉर्म पर 18 जून को सार्वजनिक सदस्यता के लिए खुलेगा और 22 जून, 2026 को बंद होगा। कंपनी बुक-बिल्ट निगम प्रक्रिया के जरिये 10 रुपये के अंकित मूल्य वाले 28,48,800 इक्विटी शेयर जारी करेगी और लगभग 30.77 करोड़ रुपये जुटाएगी। अहमदाबाद स्थित रियासत लाइफस्टाइल पुरुषों और महिलाओं के लिए परिधान बेचने का काम करती है।

बिकने जा रही पिज्जा हट चेन, 25,524 करोड़ रुपये में सौदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिज्जा हट रेस्तरां चेन बिकने जा रही है। इसकी पैरेंट कंपनी यम बांड्स 2.7 अरब डॉलर (करीब 25,524 करोड़ रुपए) में इसे बेचेगी। कंपनी ने हाल में इसे लेकर घोषणा की। उसने बताया कि निजी इक्विटी फर्म लॉन्ग रेज कैपिटल चीन को छोड़कर पिज्जा हट को लगभग 1.5 अरब डॉलर में खरीद रही है। मुख्य भूमि चीन में स्थित पिज्जा हट को यम चाइना होल्डिंग्स इंक लगभग 1.2 अरब डॉलर में खरीदेगी। यम बांड्स ने नवंबर में पिज्जा हट के लिए विकल्पों की तलाश को लेकर एक रणनीतिक समीक्षा शुरू की थी। कारण था कि चेन ने अपने समकक्ष स्टोरो के मुकाबले बिकी में गिरावट दर्ज की थी। यम बांड्स को उम्मीद है कि दोनों सौदे तीसरी तिमाही में पूरे हो जाएंगे। यम बांड्स की ओर से पिज्जा हट को बेचने का मुख्य कारण बढ़ती महंगाई, कड़ी प्रतिस्पर्धा (जैसे डॉमिनोज) और मांग में सुस्ती के चलते इसके घटते प्रॉफिट मार्जिन हैं।

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स

सी-डॉट एफटी

विज्ञापन संख्या सी-डॉट/मा. सं/भर्ती/2026/05/01 दिनांक: 18 जून 2026

रिक्ति अधिसूचना

सी-डॉट में निम्नलिखित पदों पर रिक्तियाँ हेतु अधिसूचना

सी-डॉट में नीचे उल्लिखित पदों को भरने हेतु योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:

क्र.सं.	पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार वेतन स्तर	रिक्तियों की संख्या	स्थान	तरीका
1	कृत्रिम बुद्धिमत्ता -विशेषज्ञ	सीटीसी 60 लाख रुपये प्रति वर्ष तक	1	दिल्ली/ बेंगलुरु	निश्चित अवधि के अनुबंध पर
2	वैज्ञानिक-बी/सी/डी	स्तर 10/11/12	4	दिल्ली/ बेंगलुरु	प्रत्यक्ष भर्ती के आधार पर
3	प्रबंधक प्रशासन	स्तर 11	1	बेंगलुरु	
4	हिंदी अधिकारी	स्तर 08	1	दिल्ली	
5	कार्यकारी सहायक (वित्त)	स्तर 06	3	बेंगलुरु	
6	हिंदी अनुवादक	स्तर 04	1	दिल्ली	
7	एसोसिएट (प्रशासन)	स्तर 04	3	दिल्ली	

इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार केवल ऑनलाइन माध्यम से अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

विस्तृत जानकारी, जिसमें पद विवरण एवं आवेदन प्रक्रिया सम्मिलित है, के लिए कृपया सी-डॉट की वेबसाइट के ‘Careers’ खंड पर जाएं: <https://www.cdor.in/cdotweb/web/careers.php?lang=en#current openings>

आवेदन की अंतिम तारीख रोजगार समाचार (अंग्रेजी) में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन है।

सभी सरकारी उम्मीदवार वेबसाइट पर दिए गए विवरणानुसार अपना आवेदन उचित प्राथिकता माध्यम से अप्रेषित करें।

 CBC 06268/12/0003/2627

हस्ताक्षरित/- प्रमुख - कार्मिक एवं मानव संसाधन और कानूनी

शब्द पहेली - 6260

1	2	3	4		5	6	7		8
			9			10			
11	12							13	
14									
15				15		16		17	18
19									
						20			
				21		22			
23	24				25		26		27
									28
29				30	31		32		33
34									35
			36	37			38	39	40
							42		
41									

बाएँसेदाए-

1. मन मोहने वाला-5

5. प्रस्थान करना, रवानगी-5

9. राशिकक्र की दसवीं राशि-3

10. तेल में पकाना-3

11. प्रेम, प्यार-2

13. थोड़ा, जरा-2

14. मैं का बहुवचन-2

15. उम्मीद करना-5

18. धन, संपदा-2

19. पक्षियों की चहचहाट-4

20. अभिप्राय-4

21. सद्, अच्छा-2

22. दम, ताकत-2

23. प्रकाशवान-4

26. ट्साट्स-4

29. माईल, दूरी नामपे की इकाई-2

30. क्रोधित होना-2,3

33. विदेशी शराब-2

34. झुका हुआ-2

35. भाग्य (अंग्रेजी-2)

36. आखेट मंच-3

38. खुजली-3

41. मनमोहकता-5

42. नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. आकर्षक, चित्ताकर्षक-5

2. वैक्स, मधुज-2

3. अधिकार-2

4. फिल्म ‘मदर इंडिया’ की नायिका-4

5. जागरण-4

6. दीवार (अंग्रेजी-2)

7. मां के पिता-2

8. असफल-5

12. गर्भ, कोख-3

13. करामात-3

15. खतराकारी-5

16. डेहश्य-2

17. नामकरण-2,3

23. भूस्वामी-2,3

24. सही का विलोम-3

25. मृत्यु-2

27. इमामदस्ता-3

28. कातिमान,

चमकीला-5

31. उदारता, बड़प्पन-4

32. मालगोदाम-4

36. रत्न, नाग-2

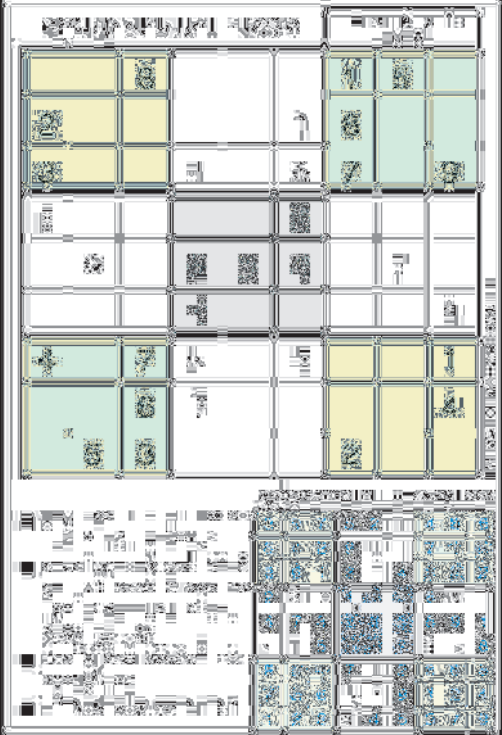
37. टी, चहा-2

39. यात्रिका, वाद (अंग्रेजी-2)

40. वहम, संदेह-2

शब्द पहेली -6259 का हल

का	ज	आ	ग	सा	थ	सु	रा
ल	ता	ना	आ	स	ख	ब	र
ली	ला	सा	या	क	ल	ह	
म	न	फ	त	र	म	ल	वि
स्त्री	फि	जा	अ	ग	ला	सा	दा
शू	र	की	च	इ	ता	र	
कु	ल	अ	म	ल	ख	त	मी
ली	ग	ल	त	प	ता	जा	न
दो	ज	क	ल		ता	ल	
घा	ब	ल	दा	म	उ	म	रो
त	म	प	ग	कृ	ष्ण	क	र



चिंतन

ईरान को धमकी देने से बाज आए अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर ईरान को धमकी देने पर उतर गए हैं। उन्होंने कहा कि समझौता अभी फाइनल नहीं हुआ है। अगर ईरान समझौते की शर्तों का पालन नहीं करता, तो अमेरिका फिर सैन्य कार्रवाई कर सकता है। अगर उन्होंने ठीक से व्यवहार नहीं किया, तो हम फिर बम बरसाएंगे। हालांकि ट्रंप द्वारा इस तरह की धमकी देना कोई नई बात नहीं है। पिछले करीब साढ़े तीन महीनों में ट्रंप ऐसी धमकियां कई बार दे चुके हैं। उन्होंने तो यहां तक कह दिया था कि हम अगर रात सबसे बड़ा हमला करने जा रहे हैं। हम एक पूरी सभ्यता को ही मिटाने जा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का ऐसा व्यवहार राजनयिक हलकों में अजीब कहा जा सकता है। यह उनकी अस्थिर मानसिकता और अस्थिर नीतियों की ही उजागर करता है। विश्व राजनीति में किसी भी बड़े देश के नेता के शब्दों का विशेष महत्व होता है। ऐसे में जब कोई राष्ट्रपति खुले तौर पर किसी देश को बार-बार धमकी देता है, तो इससे तनाव कम होने के बजाय और बढ़ सकता है। कूटनीति का मूल सिद्धांत संवाद, संयम और विश्वास निर्माण होता है, जबकि लगातार धमकियां देना इन सिद्धांतों के विपरीत माना जाता है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक हलकों में ट्रंप की शैली को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। 28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध से ट्रंप की गंभीरता पश्चिम एशिया समेत पूरी दुनिया में कम हुई है। इस युद्ध को रोकने के लिए ईरान कभी आतुर नहीं दिखा। उसने ट्रंप के हर हमले का मुंहतोड़ जवाब देने की बात कही। अमेरिका ने जब भी ईरान पर हमला किया उसने करारा जवाब दिया और उसके कई एयरबेस तक ध्वस्त कर दिए। अंत में ट्रंप को खुद ही समझौते का ऐलान करना पड़ा। विशेषज्ञों व रणनीतिकारों का कहना है कि इस युद्ध ने जहां अमेरिका की कमजोरी को दुनिया के सामने ला दिया है, वहीं ईरान की मजबूती को भी दिखाया है कि वह अमेरिका से कमजोर नहीं है और झुकने वाले नहीं हैं। ईरान समझौते में भले ही परमाणु बम नहीं बनाने की बात स्वीकार कर ले, लेकिन उसके हाथ हांमुंज के रूप में एक ऐसा हथियार है जो परमाणु बम से भी खतरनाक है और पूरी दुनिया को हिलाने की क्षमता रखता है। तेल और गैस की कीमतों में उछाल, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और महंगाई जैसी समस्याएं वैश्विक स्तर पर पैदा हो सकती हैं। आज जरूरत इस बात की है कि अमेरिका और ईरान दोनों ही संयम का परिचय दें। धमकियों और शक्ति प्रदर्शन से अधिक महत्वपूर्ण विश्वास बहाली और संवाद की प्रक्रिया है। यदि समझौता हुआ है तो उसे सफल बनाने के लिए दोनों पक्षों को जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना चाहिए। विश्व समुदाय भी यही चाहता है कि पश्चिम एशिया में शांति स्थापित हो, समुद्री मार्ग सुरक्षित रहें और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संकट के बादल न मंडराएं। राष्ट्रपति ट्रंप को भी समझना होगा कि स्थायी समाधान धमकियों से नहीं, बल्कि कूटनीति और संवाद से निकलता है। इसलिए उन्हें ईरान को बार-बार धमकी देने के बजाय शांति और सहयोग की दिशा में कदम बढ़ाने चाहिए। कुल मिलाकर अब ट्रंप के हाथ से बाजी निकल चुकी है। अब उनको अपनी इज्जत बचाव के लिए इस युद्ध को खत्म कर लेना चाहिए। ट्रंप को अब ईरान को धमकी देने से बाज आना चाहिए। चूंकि पूरी दुनिया भी शांति चाहती है। सबको होर्मुंज के खुलने का इंतजार है।

शहादत दिवस डॉ.रमेश ठाकुर



लक्ष्मीबाई का अदम्य उद्घोष लोगों में जगाता है स्वाभिमान

आज झांसी की रानी ‘लक्ष्मीबाई शहादत दिवस’ है जो सालाना 18 जून को पूरे भारत में प्रेरणा के तौर पर मनाया जाता है। आज ही के दिन 1858 को मात्र 29 साल की आयु में, लक्ष्मीबाई ने मध्यप्रदेश प्रांत के ग्वालियर संभाग के समीप कोटा की सराय में अंग्रेजी हुकूमत के सैकड़ों सैनिकों के साथ करीब सप्ताह भर बहादुरी से लड़ते हुए अपने प्राण देकर वीरगति को प्राप्त हुई थीं। उनकी ही शहादत को भारत संघेय नमन करता रहेगा। रानी लक्ष्मीबाई 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की सबसे अक्वल नायिकाओं में से एक थीं। आजादी के लिए जब भारत में बिगुल बजा, तो रानी लक्ष्मीबाई के लड़ते कौशल साहस को देखकर ही ब्रिटिश सरकार के सबसे खूंखार मेजर जनरल ‘एच.रोज’ ने उन्हें भारतीय ब्रिगेद समूह का सबसे खतरनाक लड़ाकू महिला बताया था। रानी लक्ष्मीबाई को जब सबसे पहले ग्वालियर के किले में 10 सैनिकों ने मिलकर घेरा तो उन्होंने दसों सैनिकों का सिर अपनी तलवार से कलम करके अंग्रेजों में कोहराम मचा दिया था। उस खूनी दृश्य को देखकर दरवाजे पर पहरा दे रहे 30-40 सैनिक अपने हथियार छोड़कर भाग खड़े हुए थे। ऐसी वीरगंगाएं धरती पर कभी-कभार ही पैदा होती हैं। लक्ष्मीबाई के अदम्य सैन्य साहस को देखकर ही संस्कृतिक सम्मान के तौर पर प्रसिद्ध कवित्रिणी सुभद्रा चैहान ने उन पर एक कविता रची थी जिसके शब्द आज भी हमें प्रेरणा देते हैं। ‘खूब लड़ी मर्दानी, वो तो झांसी वाली रानी थी’ उनकी वीरता को ये शब्द हमेशा उद्घोषित करते रहेंगे।

भारत के गौरवशाली इतिहास में जब-जब किसी भी वीरंगनाओं का ज़क्र होगा, महारानी लक्ष्मीबाई के पराक्रम और वीरता की काथाओं को हमेशा याद किया जाएगा। भारत को अंग्रेजों से मुक्त करवाने के लिए जब पुरुष क्रांतिकारियों की टोलियां शहर, गांव और कस्बों में निकल रही थी, तो उनमें एकमात्र रानी लक्ष्मीबाई ही युद्ध के मैदान में कूदने का साहस दिखा रही थीं, उन्हें देखकर फिर कई महिलाएं घरों से निकलकर आजादी की लड़ाई में कूद पड़ीं। इसलिए रानी लक्ष्मीबाई के युद्ध कौशल के साथ-साथ उनके मातुत्व धर्म को भी इतिहास के सुनहरे पन्नों में दर्ज किया गया। उनसे प्रेरणा लेकर ही लड़कियां अब फौज से लेकर विभिन्न विधाओं की कठिन प्रतियोगिताओं में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाने लगी हैं। वीरंगना लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवंबर, 1828 में वाराणसी के एक मराठी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। बचपन में परिजनों ने उनका नाम ‘मणिकर्णिका’ रखा था और प्यार से उन्हें ‘मन्नू’ कहकर पुराकते थे। कम उम्र में मां का निधन हुआ, तो उन्होंने मात्र 9 वर्ष की आयु में ही युद्ध कला के गुर सीखना आरंभ कर दिया। तलवार चलाना, घुड़सवारी करना, अखाड़े में कूदकर लड़कों को लड़ने के लिए ललकारना उनकी दिनचर्याओं में शुमार हो गया। ये सब देखकर पिता थोड़े दुखी हुए, तो उन्हें लेकर ‘पेशवा राज्य’ में चले गए। जहां उनकी भेंट ‘पेशवा बाजीराव द्वितीय’ से हुई, उन्होंने उनको बेटी का दर्जा देकर विभिन्न तरह का प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया। मात्र 14 साल की उम्र में उनका विवाह झांसी के ‘राजा गंगाधर नेवलकर’ संग हुआ। शादी के 6वें दिन ही उन्होंने अपना नाम ‘मणिकर्णिका’ से बदल कर ‘लक्ष्मीबाई’ रख लिया। शादी के दूसरे साल में उन्होंने एक पुत्र को जन्म दिया, लेकिन उसकी असमय मृत्यु हो गई। उनका एक दत्तक पुत्र भी था। ईश्वर ने शायद 17 जून की तिथि को रानी लक्ष्मीबाई का अंतिम युद्ध मुकुरं कर रखा था। युद्ध जब अंतिम पड़ाव पर था और वह चारों तरफ से घिर चुकी थीं, तब उन्होंने अपने दत्तक पुत्र ‘दामोदर राव’ को अपनी पीठ से बांधकर अपने घोड़े ‘बादल’ की लगाम अपने मुंह में दबाकर दुश्मनों से निर्भक्तापूर्वक लोहा लेते हुए किले की दीवार से लंबी छलांग लगाकर खुद को बचा लिया। उससे पहले पूरी रात अंग्रेजी सैनिकों से लड़ती रहीं। 18 जून की सुबह हुई, तो उनकी करीब 80 सैनिको ने घेरकर तलवारों के प्रहार से लहलुहान कर दिया। हिम्मत फिर भी नहीं हारी। तब, लक्ष्मीबाई ने अपने एक सैनिक से कहा, मुझे काली माता के मंदिर तक किसी तरह पहुंचाया जाए।

सैनिक आज्ञा का पालन करते हुए, जैसा कहा वैसा ही किया। मंदिर के पुजारी को रानी ने अपना बेटा सौंप दिया और कहा कि इनकी रक्षा करना, अगर मुझे अगले कुछ घंटों में कुछ हो जाए तो मेरे मृत्यु शरीर को अंग्रेजों के हाथ नहीं लगने देना। इतना कहते ही लक्ष्मीबाई ने अपने प्राण तुरंत त्याग दिए। उसके बाद रानी के निजी सैनिकों ने बिना देर किए उनके शरीर को अग्नि के हवाले कर दिया। उनकी सैन्य प्रेरक कथाएं आज भी निर्बल को संबल प्रदान करती है। नमन है ऐसी वीरंगनाओं को।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



मंथन

विवेक मिश्रा

मेरिका के प्रति भारत की शिखरस्थ सहिष्णुता, एक राष्ट्र के रूप में हमारे स्वाभिमानी स्वायत्तता के सिद्धांतों को चुनौती दे रही है। प्लाऊ के झंडे तले परिचालन करने वाले वाणिज्यिक जहाज पर अमेरिकी नौसेना का हमला हुआ, जिसके चालक दल में सवार तीन भारतीय नाविकों की मौत हुई। साल की शुरुआत में रूस के झंडे तले चलने वाले ' बेला वन ' नामक जहाज पर अमेरिकी नौसेना ने अपने हेलीकॉप्टर उतार जब्तीकरण की कार्रवाई की थी। आरोप था, रूस का यह जहाज वेनेजुएला के लिए प्रतिबंधित तेल को ले जा रहा था। इस जहाज और चालक दल पर गोलीबारी कर हिंसक कार्रवाई नहीं की गई थी, बल्कि कैप्टन को छोड़ बाकी सभी चालक दल के सदस्यों की सुरक्षित वापसी अमेरिका ने सुनिश्चित की। रूसी झंडे की महत्ता ने न केवल सैन्य मुठभेड़ को दरकिनार किया, बल्कि चालक दलों को भी सुरक्षित रखा। इस घटना के बाद समुद्री जलमार्गों में शैडो फ्लीट या गुप्त जहाजी बेड़ों की आवाजाही भारी मात्रा में बढ़ी है।

दरअसल प्रत्यक्ष विवादों व प्रतिबंधों से बचने के लिए और कम लागत, सस्ते शुल्क तथा शिथिल नियमों का लाभ उठाने के लिए विश्व के कई देश समुद्री आवागमन के लिए सुविधाजनक राष्ट्र ध्वजों का वरण करते हैं। व्यापारिक दृष्टि से अपनाई गई यह सुविधा, जहाजों पर तैनात चालक दलों की दुविधा का बड़ा कारण बनती है और अब यह उनके जीवन को भी लील रही है। युद्ध और तनावपूर्ण स्थितियों में लिप्त पक्षों के सरलतम मारक लक्ष्यों में यह गुप्त जहाज बेड़े होते हैं। चूंकि बड़ी आर्थिक शक्तियां जो अक्सर ऐसी वैकल्पिक व्यवस्था को अपनाती हैं, वृहद हितों व प्रतिष्ठा को ऊपर रखते हुए, सीधे संघर्ष और उत्तरदायित्व से बचना पसंद करती है। जबकि युद्धरत पक्षों के लिए ऐसे हमले विश्वस्तर पर सैन्य प्रवीणता सिद्ध करने का जरिया बनते है। भारतीय जीवन निधि पर किए गए अमेरिकी सैन्य हमलों के बाद भारत सरकार की प्रतिक्रिया कूटनीतिक प्रोटोकॉल आधारित रही, जिसमें कार्यवाहक राजदूत जैसन मिव्स को दो बार तलब कर कड़ी निंदा की गई। संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून के अनुच्छेद 38 के अनुसार, सभी जहाजों और विमानों को ट्रांजिट पैसेज का अधिकार है, अनुच्छेद 17 के अनुसार, सभी विदेशी जहाजों को किसी भी देश के जलक्षेत्र में आवाजाही का अधिकार है। ऐसे में गैर-युद्धरत जहाजों को निशाना बनाना पूर्णतः अवैध है। इसके खिलाफ हमें अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर को तलब कर सख्ती से माफी व मुआवजे की मांग रखनी चाहिए। आवश्यकता अनुसार

आवश्यकता से अधिक मंथन से निकलता है विष



संकलित

दर्शन

व्यक्ति को कर्मशील रहना चाहिए, मगर सहज संतुलन भी आवश्यक है। आज की युवा पीढ़ी अधिक व्यस्त है। उसकी इतनी व्यस्तता चिंता का कारण है। व्यस्तता का बड़ा कारण तकनीक का अधिक प्रयोग भी है। युवा चिंतन में लगे रहते हैं। कम समय में अधिक से अधिक काम करना चाहते हैं। समुद्र मंथन का कार्य तो भलाई के लिए हो रहा था और रत्न निकल भी रहे थे, परंतु न तो देवताओं को संतोष था और ना ही असुरों को। अधिक से अधिक रत्न निकालने की चाह में मंथन होता गया और एक समय ऐसा आया, जब विष निकलने लगा, जिसे पीने को कोई तैयार नहीं था। सब त्राहि-त्राहि करते हुए भगवान शिव के पास पहुंचे। भगवान शिव ने विष को पिया और श्रीराम का नाम लिया। युवा नई तकनीक का प्रयोग करें, खोज करें, लेकिन आवश्यकता से अधिक चिंतन न करें। लगातार नई तकनीक में डूबे रहने की आदत का प्रभाव नकारात्मक होता है। आवश्यकता से अधिक मंथन से विष ही निकलता है। आज के समय में विष क्या है? काम, क्रोध, लोभ और मोह तो फिर भी कुछ न कुछ अंश में सांसारिक जीवन के भाग हैं। प्रत्येक व्यक्ति में इसका कुछ भाव होने स्वाभाविक है, लेकिन इर्ष्या, द्वेष व निंदा का जीवन में कोई काम नहीं है। ये ही समुद्र मंथन से निकले हलाहल (विष) के समान हैं। अब धर्म क्षेत्र में भी इर्ष्या, द्वेष व निंदा का असर है जो उचित नहीं है। अगर हमें शिव की भक्ति करनी है तो इस विष का पान भी करना होगा। भगवान शिव भक्ति भी देते हैं और मुक्ति (मोक्ष) भी।

अंतर्मन



करंट अफेयर

भारत ने यरुशलम में योग सत्र का किया आयोजन

भारत ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम से करीब एक सप्ताह पहले इजराइली शहर यरुशलम के स्थानीय निकाय के साथ मिलकर यहां योग का विशेष सत्र आयोजित किया जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। यरुशलम के पुराने इलाके में स्थित मर्मिला मॉल में मंगलवार को एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया और इसकी अगुवाई इजराइली योग प्रशिक्षक याएल यित्जाक –इदान ने की और इस दौरान ओफ्रा अवनी ने बांसुरी वादन की प्रस्तुति देकर लोगों को मुग्ध कर दिया। इजराइल में, 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन 21 जून को तेल अवीव–याफो बंदरगाह पर भूमध्य सागर की पूरुभूमि में किया जाएगा। यरुशलम में मंगलवार को योग का विशेष सत्र यरुशलम नगर निगम, इजराइल में भारतीय दूतावास और इजराइल के योग शिक्षक संघ की साझेदारी में आयोजित किया गया। इस आयोजन में राजनयिकों, विशेष आमंत्रित मेहमानों, योग करने वालों और आम लोगों ने ‘स्वस्थ आयु के लिए योग’ थीम के तहत एक साथ योग किया। इजराइल में भारत के राजदूत जे.पी. सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ‘ इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम ‘स्वस्थ आयु के लिए योग’ समय के अनुकूल और प्रासंगिक है।



है। इस लक्ष्य के तहत दुनिया भर में समुद्री संरक्षण का दायरा बढ़ा है, खासकर समुद्री संरक्षित क्षेत्रों (मरीन प्रोटेक्टेड एरिया) के रूप में। लेकिन समान यह है कि किसी क्षेत्र को संरक्षित घोषित करने के बाद क्या होता है? दशकों के अनुभव बताते हैं कि प्रभावी समुद्री संरक्षण के लिए सफ़ट नियम–कानून, नियमित निगरानी, पर्याप्त वित्तीय सांसाधन और स्थानीय सरकारों, उद्योगों तथा समुदायों के साथ सार्थक सहयोग जरूरी है। इनके अभाव में ये क्षेत्र केवल कागजों पर संरक्षित रह जाते हैं।

हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में भी इस मुद्दे को उठाया जाना चाहिए। फारस की खाड़ी और होर्मुज में अमेरिका के द्वारा खड़ों की गई नौकाबंदी के बाद से शैडो फ्लीट समेत लगभग 200 वाणिज्यिक जहाजों को गुप्त रूप से रास्ता देने का दावा खुद ट्रंप कर रहे थे। यही नहीं अमेरिका ने जहाजों के गोपनीय परिवहन के लिए लोकेशन बंद करने की तकनीक और ओमान के तटीय क्षेत्र से गुजरने के मार्ग भी सुझाए। अब जो जहाज इस माहौल में परिवहन संचालन करते हों, उन्हें अचानक निशाने पर लेना स्पष्ट करता है कि अमेरिका समुद्री परिवहन में भी वही भ्रम की स्थितियां पैदा कर रहा है, जो



भारत के रूस से तेल खरीदने पर करता है। तेल की वैश्विक आपूर्ति सुचारू बनाए रखने के लिए युद्धकाल में रूसी तेल क्रय को प्रोत्साहित करना और निज हित सधते ही, वही रूस का तेल खरीदने पर टैरिफ थोपना। आज भारत को आवश्यकता है कि इस अमेरिकी पटकथा का यथोचित रहस्योद्घाटन करे। भारतीय विदेशमंत्रि विश्व पटल पर इसका मुखर उल्लेख तो करते हैं, लेकिन नायक की तरह इस पटकथा का अंत नहीं कर पा रहे हैं। वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए अमेरिका आधारित नीतियों पर निर्भरता को खत्म कर के ही, हम राष्ट्रीय गौरव व नागरिक सम्मान को बनाए रख सकेंगे। हमें, अमेरिका को सहयोगी व साझेदार के रूप में देखने के फिर्तू से बाहर निकलना होगा, इस बात की प्रतीक्षा भी निरर्थक ही है कि अमेरिकी नेतृत्व के बदलने से समीकरणों में कुछ विशेष अंतर आएगा।

अमेरिकी उप विदेश मंत्री के बयान से यह स्पष्ट होता है, जो कहते हैं– हम समझौतों को लेकर भारत के साथ वह गलती नहीं करेंगे, जो 20 साल पहले चीन के साथ की थी। उनकी यह बात चीन को दी गई तकनीकी सहायता और बाजारों तक उन्नत पहुंच को लेकर थी,

जीवन में सब ईश्वर की दया ही है

एक बार एक अमीर सेठ के यहां एक नौकर काम करता था, अमीर सेठ अपने नौकर से तो बहुत खुश था, लेकिन जब भी कोई कटु अनुभव होता तो वह भगवान को अनाप शनाप कहता और बहुत कोसता था। एक दिन वह अमीर सेठ ककड़ी खा रहा था, संयोग से वह ककड़ी कच्ची के साथ खे खाया जैसे वह बहुत स्वादिष्ट हो। अमीर सेठ ने पूछा- ककड़ी तो बहुत कड़वी थी, भला तुम ऐसे कैसे खा गये? नौकर बोला- आप मेरे मालिक है, रोज ही स्वादिष्ट भोजन देते है, अगर एक दिन कुछ बेस्वदा य कड़वा भी दे दिया तो उसे स्वीकार करने में भला क्या हर्ज है? अमीर सेठ अपनी भूल समझ गया, अगर ईश्वर ने इतनी सुख-सम्पदाएं दी है, और कभी कोई कटु अनुदान या सामान्य मुसीबत दे भी दे तो उसकी सद्भावना पर संदेह करना ठीक नहीं। असल में यदि हम समझ सकें तो जीवन में जो कुछ भी होता है, सब ईश्वर की दया ही है। ईश्वर जो करता है अच्छे के लिए ही करता है। हमें इसी में समाधान मानना चाहिए। जीवन में कटू और अच्छा दोनों अनुभव हमें होते हैं। इसे समानता से ही लेना चाहिए।



बातचीत सार्थक

फेडरल वांशलर गर्ज के साथ बातचीत बहुत सार्थक रही। हजने व्यापार, निवेश, मुकूलर इकोनॉमी, रक्षा और अरुध क्षेत्रों में मिलकर काम करके आपसी सहयोग को और मजबूत करने की संभावनाओ पर चर्चा की।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सिटी ऑफ जॉय

स्वच्छता किसी भी जीवंत और स्वागत करने वाले शहर की नींव होती है। ‘इंटरनेशनल योग डे’ का बेसबी से इंतजार हो रहा है और इस बड़े इवेंट की मेजबानी कोलकाता कर रहा है, इसलिए ‘सिटी ऑफ़जॉय’ नै साफ़-सफाई का अभियान चलाया जा रहा है।
- सुवेदु अधिकारी, सीएम, प. बंगाल

पेपर लीक नहीं रुकेगे

मोदी सरकार का पेपर लीक रोकने का कोई इरादा नहीं है। इसलिए ऐसे बेतुके कथन उठाए जा रहे हैं। आर्मी के जहाजों से पेपर ले जाना, टेलीग्राफ बंद करना। इन कथनों से पेपर लीक नहीं रुकेगे। पेपर इकठा पैसा ऊपर तक जाता है।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

गविष्य वक्ता

उनकी अपनी पार्टी के गविष्य बताने वाले गविष्यवाणी कर रहे हैं कि बीजेपी उन्हें 75 सीटें दे रही है- या फिर सिर्फ 50 सीटें या बस कोरी बातें। जिन लोगों से उन्होंने बीजेपी के साथ गठबंधन करके 30 सीटें मिलाने की अप्वाहें फैलाकर रखावा पैसे लिए थे, ये लोग अब उनके पीछे पड़े है।
- अश्विनीथ यादव, सागर, सा

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001
फोन- 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

विचार हरिभूमि 6

Dr. Juneja's®

पेट सफा

Natural Laxative
GRANULES & TABLETS

कब्ज़ • गैस

पेट सफा तो हर रोग दफा

पेट सफा तो हर रोग दफा

24x7 Helpline 91197 88898
www.petsaffa.com

दिविसा हर्बल केयर प्रस्तुत करते हैं

पेट सफा आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स, जिसे सेवन करना है बिल्कुल आसान, और परिणाम है पहले दिन से

इसकी आदत भी नहीं बनती

Divisa
www.divisa.com

खबर संक्षेप

पाक:सिख सेवादार दंपती की गोली मारकर हत्या

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मरदान जिले में बुधवार को एक गुरुद्वारे के भीतर

अज्ञात हमलावरों ने सिख सेवादार दंपती की गोली मारकर हत्या कर दी। यह दुखद घटना बाबू मोहल्ला इलाके में हुई। जिला पुलिस अधिकारी मसूद अहमद के अनुसार, मृतकों की पहचान जगन्नाथ और उनकी पत्नी आसमा वंती के रूप में हुई है। हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हमले के मकसद का पता लगाने सहित दोषियों को पकड़ने की कोशिशें जारी हैं।

पुणे-शिरडी एक्सप्रेस ट्रेन सेवा शुरू

मुंबई। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पुणे और शिरडी के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने के उद्देश्य से पुणे-साईनगर शिरडी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने घोषणा की कि विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के माध्यम से अगले तीन वर्षों में पुणे रेलवे की क्षमता दोगुनी हो जाएगी। मुंबई में आयोजित इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी वंचुअली शामिल हुए। रेल मंत्री ने बताया कि पुणे और उसके आस-पास के क्षेत्रों (जैसे हडपसर, शिवाजीनगर, खडकी, उरली और आलंदी) में रेल क्षमता बढ़ाने के लिए कई काम चल रहे हैं।

एआई की रेस में वही कंपनियां जीत रही हैं जिनके पास सबसे अच्छे एल्गोरिदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के सर्गेई ब्रिन सर्च इंजन कंपनी गूगल के को फाउंडर रहे हैं। ब्लूमबर्ग की टॉप 100 अमीरों की लिस्ट में सर्गेई ब्रिन दुनिया में तीसरे नंबर पर हैं। उनकी कुल नेटवर्थ 295 बिलियन डॉलर है। अमेरिका नागरिकता वाले सर्गेई ब्रिन मूल रूप से यहूदी परिवार से आते हैं। सर्गेई ब्रिन का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा कि कंप्यूट तो डेजर्ट (मीठा) है। अभी एआई की रेस में वही कंपनियां जीत रही हैं जिनके पास सबसे ज्यादा चिप नहीं हैं, बल्कि जिनके पास सबसे अच्छे एल्गोरिदम हैं। सर्गेई ने कहा कि पिछले तीन सालों का पूरा इन्वेस्टमेंट थीसिस इस बात पर बना है कि कंप्यूट स्केलिंग ही सबसे बड़ी ताकत है। सोशल मीडिया एक्स पर एक यूजर ने यह वीडियो शेयर किया है।

भारत-ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट 15 जुलाई से होगा लागू

यूके की व्हिस्की-कारें भारत में 27 दिन बाद मिलेंगी सस्ती

एजेंसी ► नई दिल्ली

वहीं यूके के 99% सामान 3% एवरेज टैरिफ पर आयात होंगे। इससे 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 120 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। करीब 3 साल में 14 राउंड की बातचीत के बाद 24 जुलाई 2025 को वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटिश व्यापार मंत्री जोनाथन रेनोल्ड्स ने पीएम नरेंद्र मोदी और उनके यूके समकक्ष और स्टार्मर की उपस्थिति में इस समझौते पर साइन किए थे।

सहयोग, कनेक्टिविटी और व्यापार को बढ़ावा देने का अंतरराष्ट्रीय फ्रेमवर्क है इंपैक्ट

पश्चिम-एशिया संकट के बीच जी-7 के मंच से प्रधानमंत्री ने रखा 'इंपैक्ट' का प्रस्ताव

हरिभूमि ब्यूरो ► नई दिल्ली

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध की वजह से दुनिया के सामने गहराते व्यापार-ऊर्जा संकट के दौर में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के एवियन शहर में आयोजित किए गए जी-7 शिखर सम्मेलन के एक आउटरीच सत्र को संबोधित करते हुए समूह देशों और भारत-वैश्विक दक्षिण के देशों की ताकत के साथ सहयोग, कनेक्टिविटी और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए इंपैक्ट नामक एक नए और वैश्विक तंत्र के गठन का प्रस्ताव रखा है।

जिसका फुल-फॉर्म 'इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप फॉर एक्लरेटिंग कनेक्टिविटी एंड ट्रेड' है। इसे महत्वाकांक्षी इंडिया-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईमैक) के मॉडल पर स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने जी-7 देशों के शीर्ष नेताओं से पूछा कि क्या आईमैक की तर्ज पर हम अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और प्रशांत क्षेत्र के द्वीपीय देशों के साथ कनेक्टिविटी परियोजनाओं को लेकर एकजुटता से कार्य कर सकते हैं? उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय विकास को लेकर भारत की प्रतिबद्धता केवल शब्दों तक सीमित नहीं है। बल्कि यह हमारे कदमों में भी भली-भांति झलकती है।

यूं आगे बढ़ेगी इंपैक्ट की कवायद

उन्होंने कहा कि इंपैक्ट की स्थापना में जी-7 देशों की पूंजी, भारत की प्रतिभा और वैश्विक दक्षिण के देशों की भागीदारी जैसे बिंदुओं को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। इस सत्र का विषय 'रिवाइविंग ए बैलेंस्ड, शेयर्ड एंड सस्टेनेबल इकोनॉमिक ग्रोथ फॉर ऑल' रखा गया था। पीएम ने कहा कि फ्रांस की अध्यक्षता में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन में इस विषय को महत्व दिया है। आज की वास्तविकताओं में जब बात विकास की आती है। तो सबान न केवल जीडीपी और व्यापार के आंकड़ों तक सीमित रहता है। बल्कि असली प्रश्न यह है कि विकास किसके लिए, किसके साथ और किस दिशा में किया जाना चाहिए? राजधानी दिल्ली में वर्ष-2023 में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर आईएमईसी कार्यक्रम को ठोस रूप प्रदान किया गया था।

वैश्विक दक्षिण की बताई ताकत

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आईएमईसी एक अग्रणी कदम था। जिसमें सऊदी अरब, भारत, अमेरिका और यूरोप में लंबी सड़कों, रेल-सड़क और जहाजरानी नेटवर्क शामिल था। कुल मिलाकर इस कवायद का उद्देश्य एशिया, मध्य पूर्व और पश्चिम के बीच एकीकरण को बढ़ावा देना था। लेकिन यह परियोजना मध्य पूर्व में जारी संकट की वजह से अभी तक परवान नहीं चढ़ सकी है। वैश्विक दक्षिण के देशों की ताकत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज के दौर में जहां विकसित देश बुजुर्गों की बढ़ती आबादी की चुनौती का सामना कर रहे हैं। वहीं, भारत और वैश्विक दक्षिण के देशों में युवा प्रतिभाओं, कौशल और ऑनप्रोवेंयरशिप की भरमार है।

नाविक पटनाला सुरेश के शव के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी। भारतीय दूतावास ने कहा, दुख की इस घड़ी में हमारी संवेदनाएं उनके परिवारों के साथ हैं। अमेरिका ने अयोमान तट के पास पिछले सप्ताह भारतीय चालक दल वाले तीन व्यापारिक पोत पर हमले किए। इनमें से एक पोत एमटी सेटेबेलो था। इस पोत पर हमले में तीन लोगों की मौत हो गई थी, जबकि अन्य को बचा लिया गया था।

ये चीजें सस्ती होंगी

व्हिस्की और जिन : यूके से आयात होने वाली स्कॉच व्हिस्की और जिन पर भारत का टैरिफ 150% से घटकर 75% हो जाएगा। बाद में समझौते के दसवें साल तक इसे घटकर 40% कर दिया जाएगा।
लगजरी कारें : यूके की कारों (जैसे जगुआर लैंड रोवर, रोल्स-रॉयस) पर टैरिफ 100% से कोटा सिस्टम के तहत 10% तक आ जाएगा। इससे ये कारें 20-30% सस्ती हो सकती हैं।
खाद्य और पेय पदार्थ : यूके से आयात होने वाले सेल्मन, लैंब, चॉकलेट, बिस्किट और सॉफ्ट व्हिस्की पर टैरिफ कम होगा। इससे ये उत्पाद सस्ते होंगे।
कॉस्मेटिक्स और मेडिकल डिवाइस : यूके के कॉस्मेटिक्स, मेडिकल उपकरण और एयरोस्पेस पार्ट्स पर कम टैरिफ से ये सामान सस्ते होंगे।
टैरिफ 15% से घटकर 3% पर आ जाएगा।
बिजनेस से आने वाले बांडेड कपड़े, फेशन प्रोडक्ट्स और होमवेयर भी सस्ते होंगे।

इन सेक्टर्स को होगा फायदा

टेक्सटाइल सेक्टर : यूके में भारतीय कपड़े और होम टेक्सटाइल्स जैसे चादर, परदे पर 8-12% टैक्स लगता था, वो अब पूरी तरह खत्म हो जाएगा। इससे हमारे कपड़े बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के मुकाबले सस्ते और ज्यादा कॉम्पिटिटिव हो जाएंगे।
गहने और चमड़े का सामान : भारत से यूके जाने वाली ज्वेलरी और चमड़े के सामान जैसे बैग, जूते पर अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। इससे छोटे बिजनेस और लगजरी बांड्स को बड़ा फायदा होगा। साथ ही यूके के रास्ते यूरोप में भारत का दबदबा और बढ़ेगा।

द्विपक्षीय संबंधों से लेकर क्षेत्रीय-वैश्विक घटनाक्रमों पर किया गया विचारों का आदान-प्रदान

जी-7 से इतर हुई पीएम की जर्मनी, यूके और यूएई के राष्ट्राध्यक्षों संग मुलाकात

नई दिल्ली (ब्यूरो)। फ्रांस की अध्यक्षता में एवियन शहर में आयोजित किए गए जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जर्मनी, ब्रिटेन (यूनाइटेड किंगडम) और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्राध्यक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठक की है। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ बुधवार को हुई वार्ता में दोनों नेताओं ने आपसी संबंधों में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की और रणनीतिक साझेदारी में दर्ज किए गए नए उत्साह को लेकर प्रसन्नता जताई है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस साल पीएम मोदी और चांसलर मर्ज की यह दूसरी मुलाकात थी। जिसमें दोनों ने रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप पर हस्ताक्षर किए।

जर्मन चांसलर मर्ज ने प्रधानमंत्री मोदी को 2026 के अंत में जर्मनी में आयोजित किए जाने वाले 8 वें भारत-जर्मनी अंतर सरकारी परामर्श (आईजीसी) में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। दोनों ने अपनी बातचीत के दौरान पश्चिम-एशिया संकट और रूस-यूक्रेन संघर्ष के मामले पर भी विचार साझा किए। पश्चिम एशिया के मामले पर तनाव को खत्म करने के लिए बनी सहमति पर भारत और जर्मनी के राष्ट्राध्यक्षों ने संतोष व्यक्त किया है। मौजूदा वर्ष में भारत, जर्मनी अपने कुटनीतिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। जिसे देखते हुए पीएम मोदी और चांसलर मर्ज ने व्यापार, निवेश, आम जनता को आवाजें दी जैसे तमाम क्षेत्रों में सहयोग को और अधिक मजबूती प्रदान करने को लेकर एकजुटता प्रदर्शित की है।

सख्ती: समय से ज्यादा रुके तो रोजाना देना होगा तगड़ा जुर्माना

दोहा (एजेंसी)। खाड़ी देश कतर में नौकरी और व्यवसाय करने वाले प्रवासी नागरिकों, विशेषकर हजारों भारतीय प्रवासियों के लिए एक बड़ी और महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। कतर सरकार ने अपने नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए रजिस्ट्रेशन परमिट रद्द होने के बाद देश में रुकने की अवधि (ग्रेस पीरियड) को आधा कर दिया है। गलफ न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, अब प्रवासियों को वीजा रद्द होने के बाद देश छोड़ने या अपनी स्थिति को वैध करने के लिए महज 14 दिनों का समय मिलेगा, जो पहले 30 दिनों का हुआ करता था। इस बदलाव की घोषणा आंतरिक मंत्रालय के जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित एक वेबिनार में की गई। एयरपोर्ट पासपोर्ट विभाग के कप्तान अली अहमद अली अल कुवारी ने बताया कि जो कोई भी इस 14 दिनों की अवधि के बाद कतर में अवैध रूप से रहेगा, उसे 10 कतरी रियाल (लगभग 230 भारतीय रुपये) प्रतिदिन का जुर्माना देना होगा। ऐसे में भारतीय प्रवासियों को अब परमिट रद्द होने के तुरंत बाद नई नौकरी ढूँढने या वतन वापसी के लिए तेजी से कदम उठाने होंगे।

इंजीनियरिंग सामान और ऑटो पार्ट्स : यूके ने भारतीय मशीनरी, इंजीनियरिंग टूल्स और ऑटो पार्ट्स जैसे कार के पुर्जे पर लगने वाला इम्पोर्ट टैक्स खत्म कर दिया है। इससे भारत, यूके और यूरोप की हर्डस्ट्रियल सप्लायर्स वेन और मजबूत होंगी।
दवाइयां और मेडिकल डिवाइस : भारतीय फार्मा कंपनियों को यूके में जेनेरिक दवाइयों के लिए आसान रजिस्ट्रेशन प्रोसेस मिलेगी। इससे भारत की दवाइयां यूके की हेल्थ सर्विस में आसानी से पहुंचेंगी और दवाओं का अप्रचल भी जटिली मिलेगी।

14 बिंदुओं का ड्राफ्ट जारी समझौते के लिए अमेरिका ने मानीं ईरान की सभी शर्तें

लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष के समाप्त होने की बड़ी उम्मीद

एजेंसी ► वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते की शर्तें सामने आ गई हैं। अमेरिका ने ईरान की सारी शर्तें मान ली हैं। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि 14 बिंदुओं वाले इस ऐतिहासिक समझौते के तहत वैश्विक व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज को फिर से खोला जाएगा। इसके साथ ही अमेरिका ईरान को

इन पर बनी सहमति

- अमेरिका और ईरान ने सभी मोर्चों पर युद्ध और फायरिंग तुरंत बंद करने पर सहमति जताई गई है।
- दोनों देश एक-दूसरे पर हमला या धमकी नहीं देंगे।
- दोनों देश एक-दूसरे की संप्रभुता और सीमाओं का सम्मान करेंगे।
- 60 दिनों के अंदर अंतिम समझौते पर बात होगी।
- अमेरिका 30 दिनों में ईरान पर नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करेगा और सेना हटाएगा।
- ईरान होर्मुज में जहाजों का सुरक्षित और मुफ्त आवागमन सुनिश्चित करेगा।
- अमेरिका, ईरान के विकास के लिए 300 अरब डॉलर की योजना बनाएगा।
- अमेरिका ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाने को तैयार है।
- ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा।
- दोनों देश फिलहाल स्थिति को वैसी ही बनाए रखेंगे (कोई नया कदम नहीं)।
- अमेरिका ईरान को तेल निर्यात और बैंकिंग में छूट देगा।
- ईरान की फंसी संपत्ति और पैसा रिलीज किया जाएगा।
- समझौते की निगरानी के लिए एक रिस्टम बनाया जाएगा।
- अंतिम समझौते को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से मंजूरी मिलेगी।

सुलेमानी को नहीं मारते, तो डील नहीं होती

ट्रम्प ने दावा किया है कि अगर उन्होंने 2020 में ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी को मारने का फैसला नहीं लिया होता, तो आज ईरान के साथ समझौता भी संभव नहीं होता। फ्रांस में जी-7 समिट के दौरान ट्रम्प ने कहा, स्थल तीन महीने में हुई डील नहीं है, इसकी नींव कई साल पहले पड़ी थी। अगर मैंने जनरल सुलेमानी को नहीं मारा होता, तो शायद हम आज इस समझौते की बात नहीं कर रहे होते। ट्रम्प ने दावा किया कि सुलेमानी पर हमले की तैयारी पहले हजराइल ने की थी, लेकिन ऑपरेशन से एक रात पहले उसने पीछे हटने का फैसला कर लिया। इसके बाद अमेरिका ने कार्रवाई की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने कहा, मुझे फैसला लेना पड़ा और मैंने हमले का आदेश दिया।

हरिभूमि कम्प्यूटेशनल प्रोसेसिंग लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28